गाथा पूज्य प्रेमानंद महाराज की | By Kumar Mukesh |

हम प्रेमानंद महाराज के
मीठे भजन सुनाते हैं
शीश गुरुवर को झुकाते हैं
महाराज का जीवन परिचय
आओ तुम्हें कराते हैं
हम कथा सुनाते हैं
जय प्रेमानंद महाराज
राधा ज्यू राखे लाज

जन्म का नाम अनिरुद्ध कुमार
पांडे है तुम्हें बताए
जन्म तिथि 1969
30 मार्च बतलाए
उत्तर प्रदेश में कानपुर
सरसौल आखिरी गाँव
माता इनकी रमा देवी
सिर पे जिनकी छाँव
शंभू पांडे पिता आपके
जिन सत्य विचार
अपने मात पिता से पाए
शिक्षा और संस्कार
राधा वल्लभ संप्रदाय से
संबंधित कहलाए
श्री हित राधा केली कुंज के
संस्थापक बतलाए
13 वर्ष की आयु में
घर त्याग जाते हैं
लिया संन्यास बताते हैं
महाराज का जीवन परिचय
आओ तुम्हें कराते हैं
हम कथा सुनाते हैं
जय प्रेमानंद महाराज
राधा ज्यू राखे लाज

वृंदावन में महाराज का
आश्रम तुम्हें बताए
बाबा के प्रवचन को सुनने
भक्त हजारों आए
एक भारतीय रसिक संत ये
जन जन के हितकारी
भेद भावना करे किसी से
यह संत ब्रह्मचारी
सरसो लाकड़ी गाँव के वासी
भारत में सरनाम
सबके मुख से गूँज रहा प्रभु
प्रेमानंद का नाम
अमृत तुल्य वचन आपके

सबके मन को भाए
जो भी सुनते वचन आपके
भक्ति में खो जाए
इनके मधुर वचनों का
तुम्हें रसपान कराते हैं
कुछ अंश सुनाते हैं
महाराज का जीवन परिचय
आओ तुम्हें कराते हैं
हम कथा सुनाते हैं
जय प्रेमानंद महाराज
राधा ज्यू राखे लाज

महाराज जब संन्यासी थे
कोई नहीं था नाम
राधे की पुकार के मन में
वृंदावन था धाम
जीवन के इस मोड़ में जाने
कब मुश्किल आ जाए
महाराज के जीवन में
एक बार समय ये आए
उनके ही स्थान से कुछ
लोग उन्हें हैं हटाए
किडनी की बीमारी से
अस्वस्थ शरीर है बताए
आश्रम के एक सेवक ने
महाराज को फिर ये बताए
आपकी बीमारी का हम अब
भार नहीं सह पाए
छोड़ना होगा आपको
ये स्थान बताते हैं
उन्हें जाने को कहते हैं
हुए कैसे दर्शन राधा जी के
तुम्हें बताते हैं
हम कथा सुनाते हैं
जय प्रेमानंद महाराज
राधा ज्यू राखे लाज

15 दिनों के अंदर तुमको
आश्रम से है जाना
बोले हे महाराज तुम्हारी
बात को मैंने माना
लेकिन यहाँ से कहाँ जाऊँ मैं
बात समझ ना आए
इस बीमार शरीर को लेके
किसके द्वारे जाए
बोला सेवक आपका मैं तो
नहीं हूँ ठेकेदार
मेरी तरफ से कहीं भी जाओ
मैं नहीं जिम्मेदार
महाराज फिर बोले मेरा

क्यों करते अपमान
मेरे जीवन का रखवाला
मेरा है भगवान
उस आश्रम का महाराज
फिर छोड़ जाते हैं
वहाँ से चले ही जाते हैं
हुए कैसे दर्शन राधा जी के
तुम्हें बताते हैं
हम कथा सुनाते हैं
जय प्रेमानंद महाराज
राधा ज्यू राखे लाज

वृंदावन की गलियों में वो
भटक रहे बतलाए
चेहरे पे थकान हृदय में
विरह गई समाए
बार बार होंठों से निकले
राधे जी का नाम
महाराज की आँखों में
बस वृंदावन का धाम
अपनी लाडली ज्यू के लिए
मन उनका बेचैन
नहीं आसरा नहीं सहारा
बरस रहे दो नैन
धीरे धीरे हुई दोपहरी
टूट गई है आस
महाराज आए हैं मदन
मोहन मंदिर के पास
एक टीले के ऊपर बाबा
बैठ जाते हैं
विनय राधा से लगाते हैं
हुए कैसे दर्शन राधा जी के
तुम्हें बताते हैं
हम कथा सुनाते हैं
जय प्रेमानंद महाराज
राधा ज्यू राखे लाज

हे राधे ज्यू ना माँगू मैं
तुमसे चाँदी सोना
वृंदावन में दे दो मुझको
एक छोटा सा कोना
आपके चरणों में रहकर मैं
जीवन यहीं बिताऊँ
नहीं तो आज ही रात बनारस
लौट के मैं तो जाऊँ
मन था उनका भारी व्याकुल
सूरत भी मुरझाई
टीले से फिर उतरे नीचे
मन में उदासी आई
तभी वहाँ छोटी सी बालिका

उनके सम्मुख आई
महाराज के पास वो खेले
मंद मंद मुस्काई
महाराज उस बालिका की
लीला देखते हैं
पर वो समझ ना पाते हैं
ये साक्षात दर्शन राधा ज्यू के
तुम्हें बताते हैं
हम कथा सुनाते हैं
जय प्रेमानंद महाराज
राधा ज्यू राखे लाज

जय गो बाबा जय गो बाबा
महाराज से बोले
कभी उछलती कभी कूदती
इधर उधर वो डोले
वो छोटी सी बालिका हो गई
आँखों से ओझल
महाराज फिर उसे देखने को
होते व्याकुल
इधर उधर ढूँढा कन्या को
पर वो नजर नहीं आई
पता नहीं वो कहाँ से आई
जाने कहाँ समाई
वृंदावन की गलियों में
साधु संतों से पूछे
क्या एक कन्या देखी आपने
कुछ ना उनको सूझे
ये अद्भुत लीला है
बाबा संत बताते हैं
लीला जान ना पाते हैं
किए साक्षात दर्शन
राधा ज्यू के
तुम्हें बताते हैं
हम कथा सुनाते हैं
जय प्रेमानंद महाराज
राधा ज्यू राखे लाज

वृंदावन में सब संभव है
साधु उन्हें बताए
महाराज के अंतर मन में
बस आवाज ये आए
राधे राधे गूँजे कानों में
बात समझ तब पाए
बालिका कोई और नहीं
राधा जी लीला दिखाए
राधा जी की है ये कृपा
दर्शन मुझे दिखाए
थोड़ी देर में राधा रानी
फिर कृपा बरसाए

महाराज के पास में एक
अनजान व्यक्ति आए
राधे राधे कह के वो
महाराज से यूँ बतलाए
गौशाला में एक कुटी वो
तुम्हें दिखाते हैं
हाँ स्थान बताते हैं
कि ये साक्षात दर्शन
राधा ज्यू के
तुम्हें बताते हैं
हम कथा सुनाते हैं
जय प्रेमानंद महाराज
राधा ज्यू राखे लाज

राधा रानी की कृपा से
मिला उन्हें स्थान
धन्य हुए फिर बाबा करते
राधा का गुणगान
लाडली ज्यू मेरे साथ है रहती
तब ये समझ में आया
जब जब मुझको भूख लगी
तब खाना मुझे खिलाया
जब बारिश में भीग रहा तब
चादर मुझे उड़ाया
जब कोई बोलने वाला नहीं
राधे का नाम दिखाया
ये कोई संजोग न हो
राधे की कृपा पाई
मैं तो अकेला कभी नहीं
राधे ने प्रीत निभाई
महाराज राधे की शरण में
हरदम रहते हैं
उनका सुमिरन करते हैं
कि ये साक्षात दर्शन
राधा ज्यू के
तुम्हें बताते हैं
हम कथा सुनाते हैं
जय प्रेमानंद महाराज
राधा ज्यू राखे लाज

राधे की कृपा से संत
एक रसिक बना बतलाए
धन्य हुआ अब जिनका उनका
राधे शरण जो आए
बाबा ने अपने जीवन में
किसी से कुछ नहीं माँगा
राधे जी का मिला सहारा
भाग्य तभी से जागा
राधे जा का प्रेम मिला वो
प्रेम सभी में बाँटें

महाराज के प्रवचनों में
लाभ सभी जन पाते
प्रेरणादायक वचन आपके
सबके मन को भाते
प्रेमानंद गोविंद शरण की
सेवा हम भी पाते
जिसको जग छोड़े उसको
बाबा अपनाते हैं
हाँ बाबा अपनाते हैं
कि ये साक्षात दर्शन
राधा ज्यू के
तुम्हें बताते हैं
हम कथा सुनाते हैं
जय प्रेमानंद महाराज
राधा ज्यू राखे लाज

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%97%e0%a4%be%e0%a4%a5%e0%a4%be-%e0%a4%aa%e0%a5%82%e0%a4%9c%e0%a5%8d%e0%a4%af-%e0%a4%aa%e0%a5%8d%e0%a4%b0%e0%a5%87%e0%a4%ae%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a4%82%e0%a4%a6-%e0%a4%ae%e0%a4%b9%e0%a4%be/